RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

12th GEOGRAPHY

ARJUN BATCH

मानव भूगोल

प्राथमिक क्रियाएँ

AGRICULTURE कृषि

अध्याय-4 | भाग-02

17 अगस्त 2026 || 05:00 PM



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

कृषि



प्राथमिक क्रियाएँ :
(1) आखेट व भोजन संग्रहण।
(2) पशुचारण
- घुमक्कड़ पशुचारण
  - ग्रीष्मकाल → मैदानी क्षेत्र
  - शीतकाल → पर्वतीय क्षेत्र।
- सीमित घुमक्कड़ पशुचारण
- वाणिज्य पशुचारण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वाणिज्य पशुधन पालन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वाणिज्य पशुधन पालन की विशेषताएँ

- चलवासी पशुचारण की अपेक्षा वाणिज्य पशुधन पालन अधिक व्यवस्थित एवं पूँजी प्रधान है।
- वाणिज्य पशुधन पालन पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित है एवं फार्म भी स्थायी होते है।
- चराई को नियंत्रित करने के लिए इन्हें बाड़ लगाकर एक दूसरे से अलग कर दिया जाता है।

चलवासी पशुचारण
↓
अस्थाई
कम पूंजी
जीवन निर्वाह (आवास, कपड़ा, भोजन।)
॥
सहज प्रयास

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यह एक विशिष्ट गतिविधि है, जिसमें केवल एक ही प्रकार के पशु पाले जाते हैं।
- प्रमुख पशुओं में भेड़, बकरी, गाय-बैल एवं घोड़े हैं।
- इनसे प्राप्त मांस, खालें एवं ऊन को वैज्ञानिक ढंग से संसाधित एवं डिब्बा बंद कर विश्व के बाजारों में निर्यात कर दिया जाता है।
- पशुफार्म में पशुधन पालन वैज्ञानिक आधार पर व्यवस्थित किया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इसमें मुख्य ध्यान पशुओं के प्रजनन, जननिक सुधार, बीमारियों पर नियंत्रण एवं उनके स्वास्थ्य पर दिया जाता है।

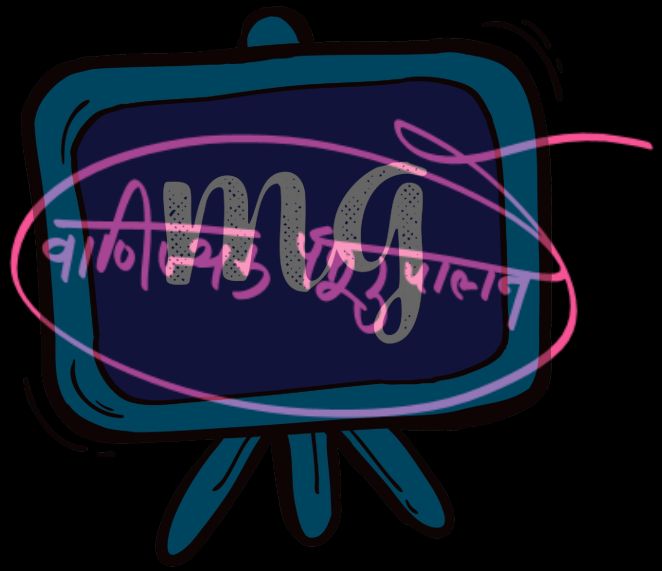


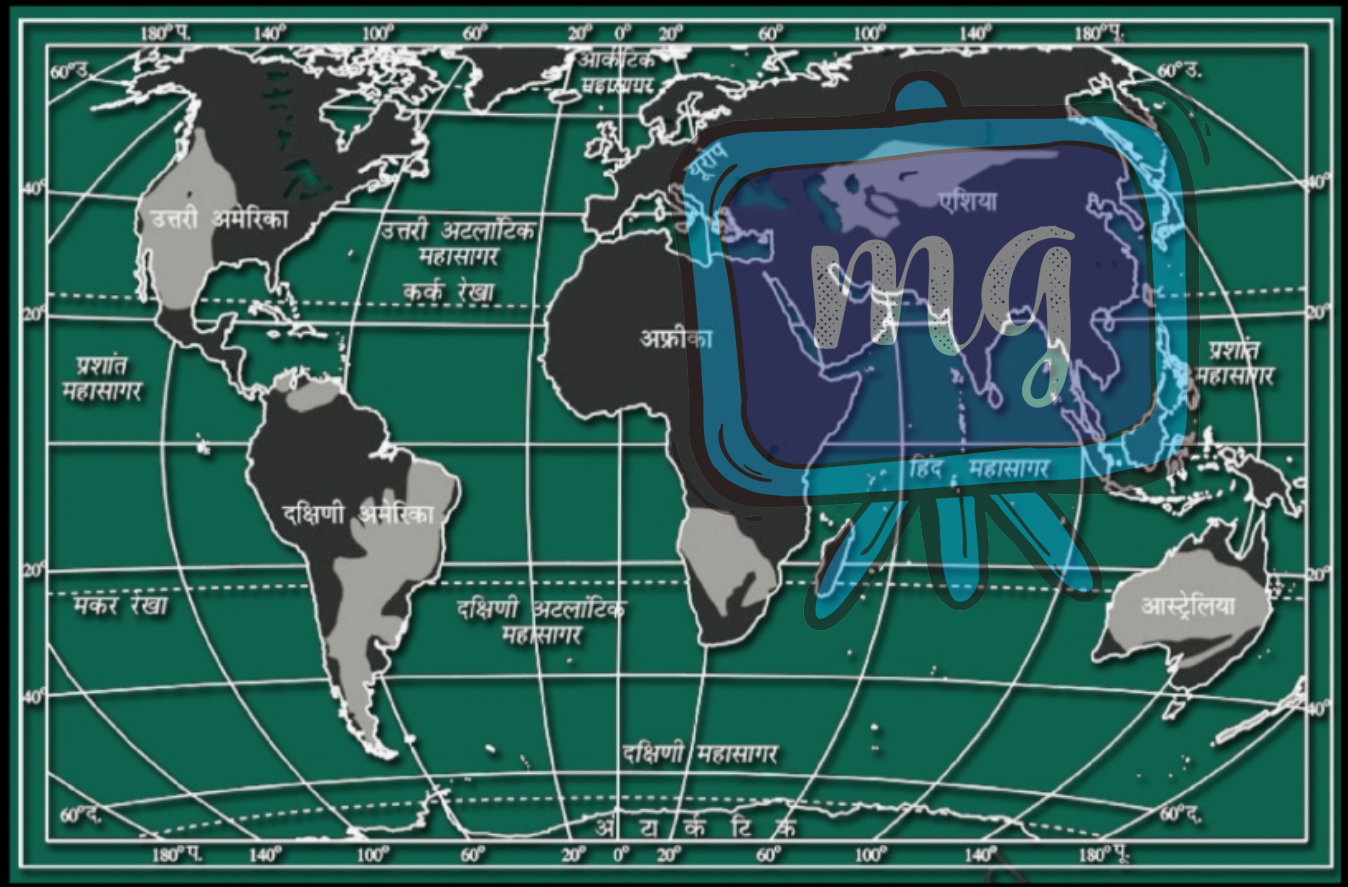
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विश्व के प्रमुख क्षेत्र

- न्यूजीलैंड
- आस्ट्रेलिया
- अर्जेंटाइना
- उरूग्वे
- संयुक्त राज्य अमेरिका




180° प.
140°
100°
60°
20°
0°
20°
60°
100°
140°
180° पू.
60° उ.
आर्कटिक महासागर
उत्तरी अमेरिका
उत्तरी अटलांटिक महासागर
कर्क रेखा
यूरोप
एशिया
अफ्रीका
प्रशांत महासागर
प्रशांत महासागर
हिंद महासागर
दक्षिणी अमेरिका
मकर रेखा
दक्षिणी अटलांटिक महासागर
आस्ट्रेलिया
दक्षिणी महासागर
60° द.
अंटार्कटिक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि













RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विश्व की प्रमुख कृषि प्रणालियाँ

1. निर्वाह कृषि
2. आदिकालीन निर्वाह कृषि
3. गहन निर्वाह कृषि
4. रोपण कृषि
5. विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि
6. मिश्रित कृषि



7. डेरी कृषि
8. भूमध्य सागरीय कृषि
9. उद्यान कृषि
10. सहकारी कृषि
11. सामूहिक कृषि

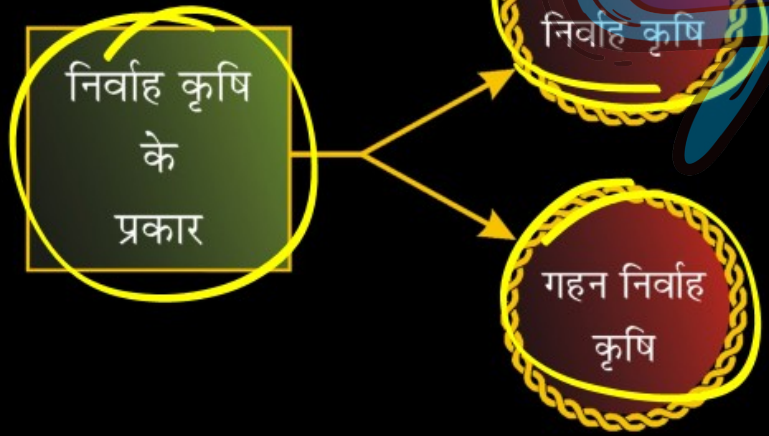


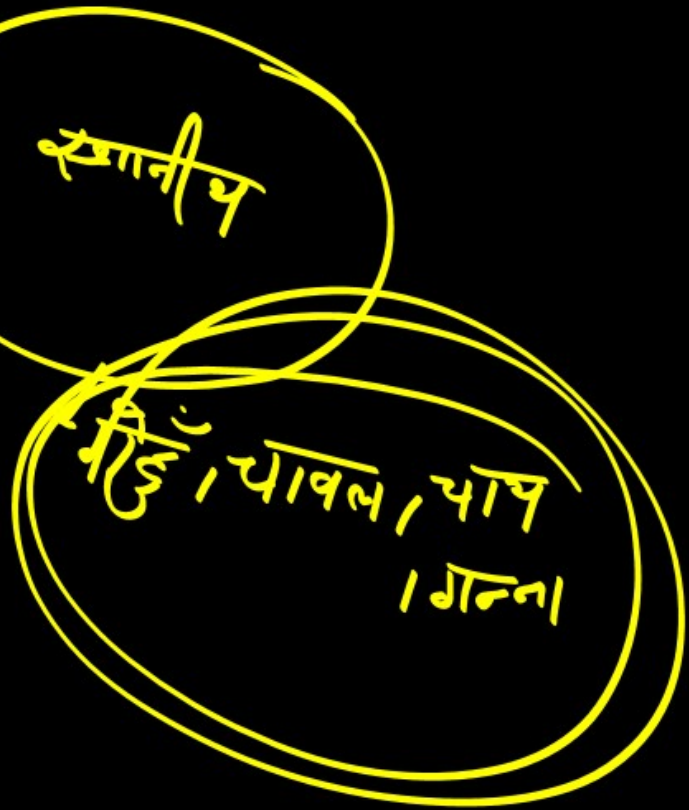
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निर्वाह कृषि

इस प्रकार की कृषि में कृषि क्षेत्र में रहने वाले **स्थानीय उत्पादों** का संपूर्ण अथवा लगभग का उपयोग करते हैं।





RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

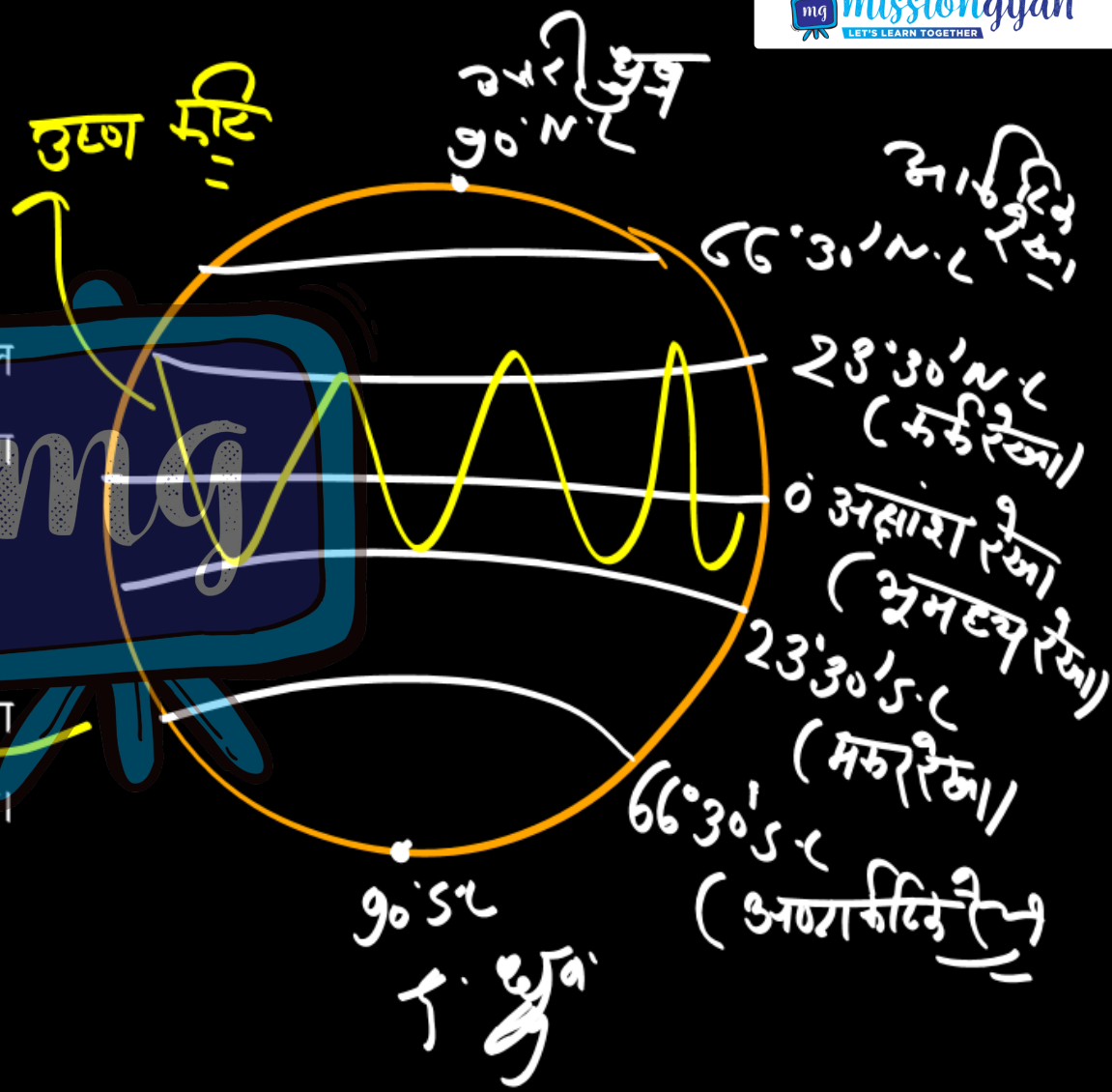
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आदिकालीन निर्वाह कृषि

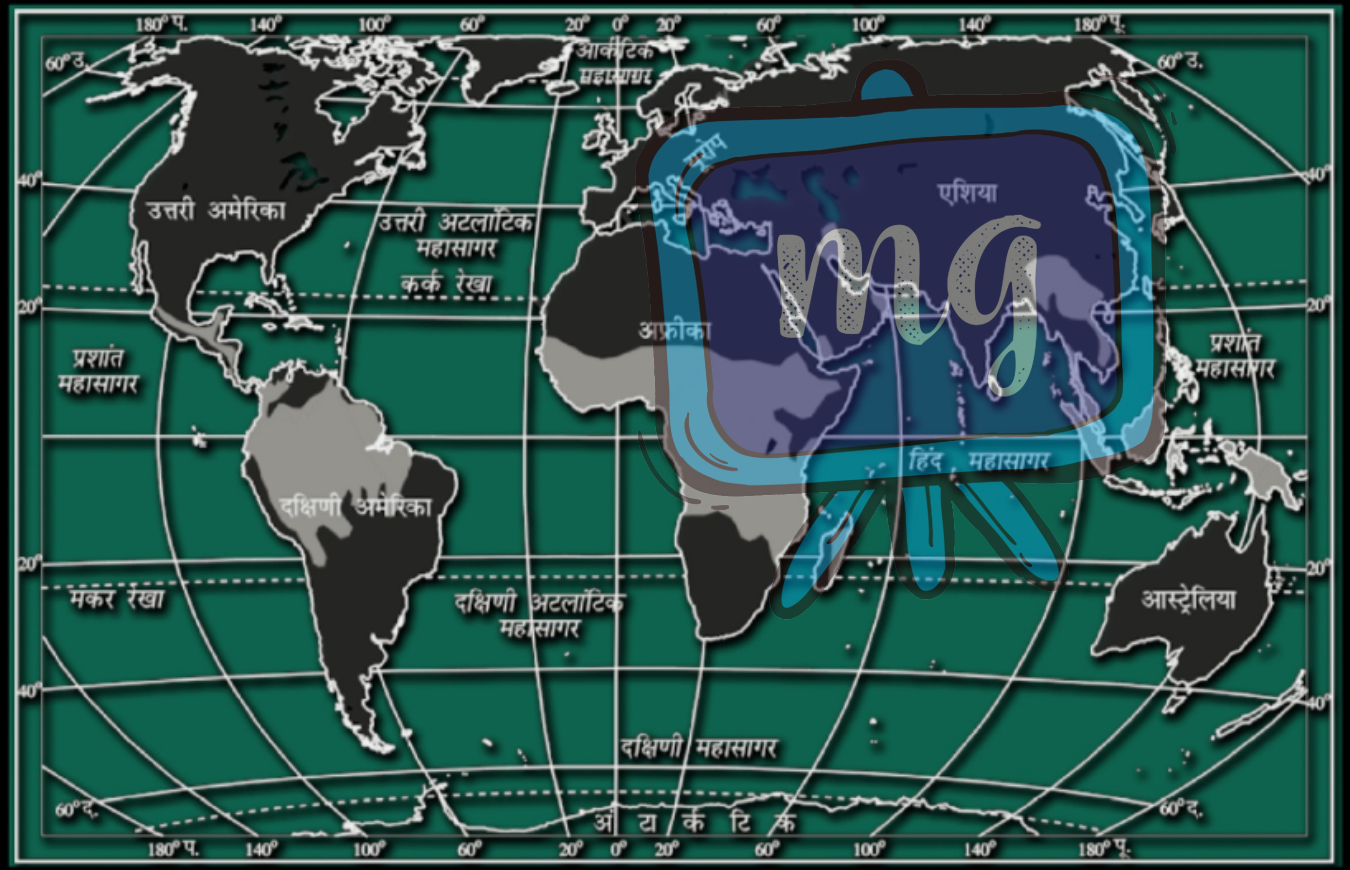
- आदिकालीन निर्वाह कृषि अथवा स्थानांतरणशील कृषि कार्य उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में किया जाता है।

प्रमुख क्षेत्र

- अफ्रीका, दक्षिणी एवं मध्य अमेरिका का उष्णकटिबंधीय भाग एवं दक्षिणी पूर्वी एशिया।



स्थानान्तरित कृषि - जनजातीय लोगों के द्वारा वनों को काटकर जलाकर प्रतिवर्ष एक स्थान से दूसरे स्थान पर कृषि करते हैं उसे स्थानान्तरित कृषि कहते हैं।


180° प.
140°
100°
60°
20°
0°
20°
60°
100°
140°
180° पू.
60° उ.
आर्कटिक महासागर
उत्तरी अमेरिका
उत्तरी अटलांटिक महासागर
कर्क रेखा
एशिया
अफ्रीका
प्रशांत महासागर
प्रशांत महासागर
हिंद महासागर
दक्षिणी अमेरिका
मकर रेखा
दक्षिणी अटलांटिक महासागर
आस्ट्रेलिया
दक्षिणी महासागर
60° द.
अंटार्कटिक

प्रमुख विशेषताएँ




- सर्वप्रथम इन क्षेत्रों की वनस्पति को काटा जाता है फिर उसे जला दिया जाता है एवं जली हुई राख की परत उर्वरक का कार्य करती है।
- इस प्रकार स्थानांतरणशील कृषि कर्तन एवं दहन कृषि भी कहलाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इसमें बोए गए खेत बहुत छोटे-छोटे होते हैं एवं खेती भी पुराने औजार जैसे लकड़ी, कुदाली एवं फावड़े द्वारा की जाती है।
- कुछ समय पश्चात् (3 से 5 वर्ष) जब मिट्टी का उपजाऊपन समाप्त हो जाता है, तब कृषक नए क्षेत्र में वन जलाकर कृषि के लिए भूमि तैयार करता है।

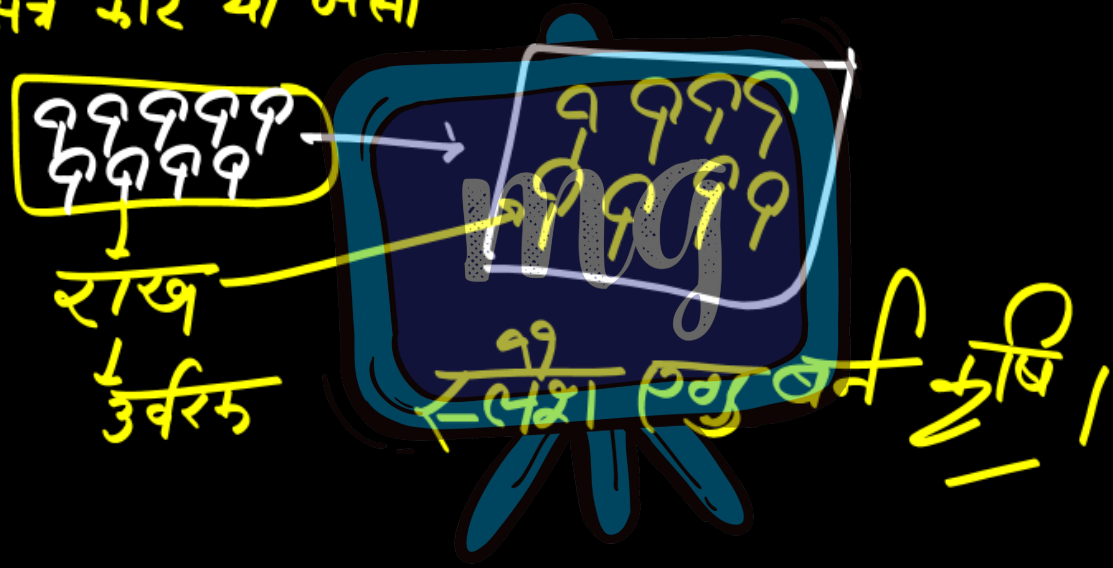
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- कुछ समय पश्चात् कृषक वापस पहले वाले कृषि क्षेत्र पर कृषि कार्य करने आ जाता है।
- इस कृषि कार्य में सबसे बड़ी समस्या यह है कि इस क्षेत्र में भूमि की उर्वरता कम होती जाती है जिससे झम का चक्र (आग लगाकर कृषि क्षेत्र तैयार करना) छोटा होता जाता है।

उष्ण मरुस्थलीय क्षेत्र।

→ वन क्षेत्र मात्र था जैसा



राख
↓
उर्वरक

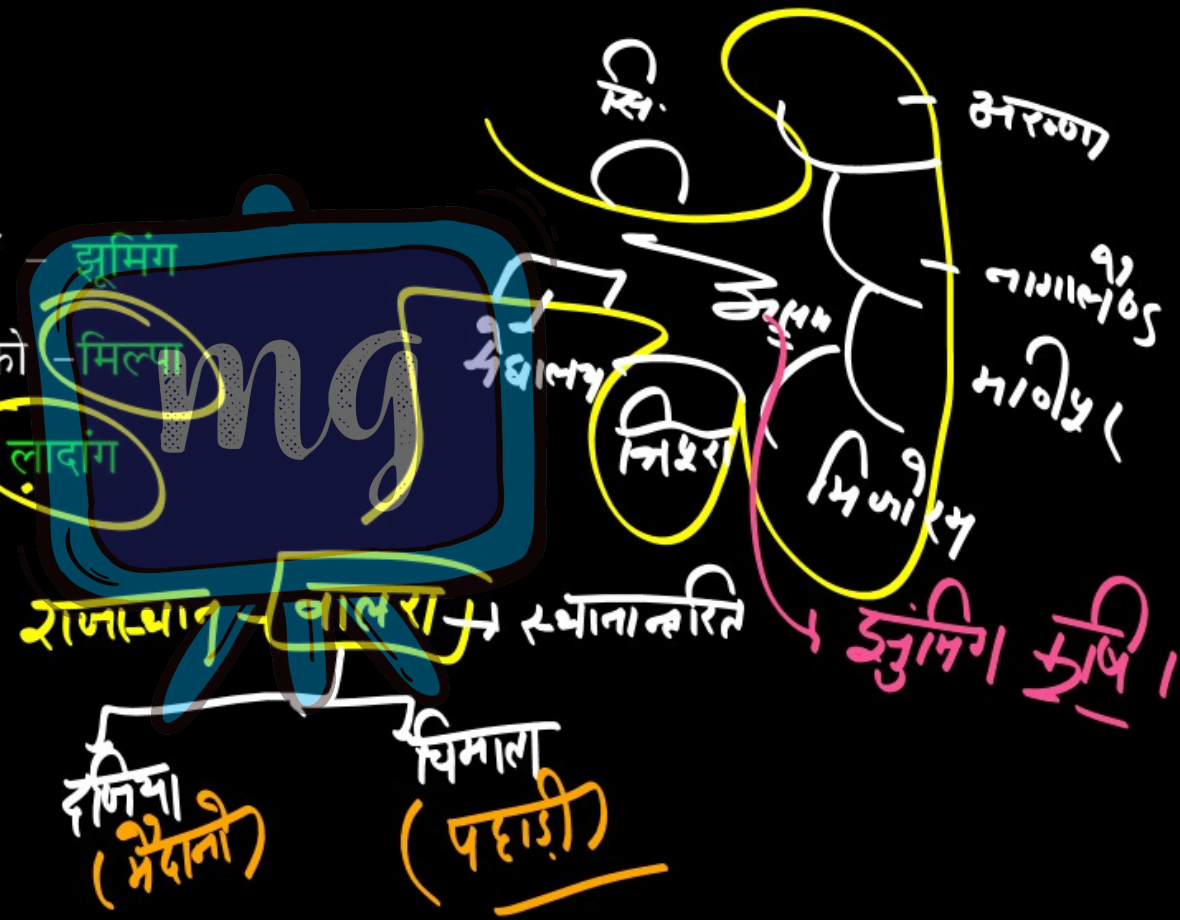
स्वेश। शुष्क बर्न कृषि।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अनेक नाम

- भारत के उत्तरी पूर्वी राज्यों – झूमिंग
- मध्य अमेरिका एवं मैक्सिको – मिल्पा
- मलेशिया व इंडोनेशिया – लादांग
- वियतनाम – रे
- राजस्थान – वालरा

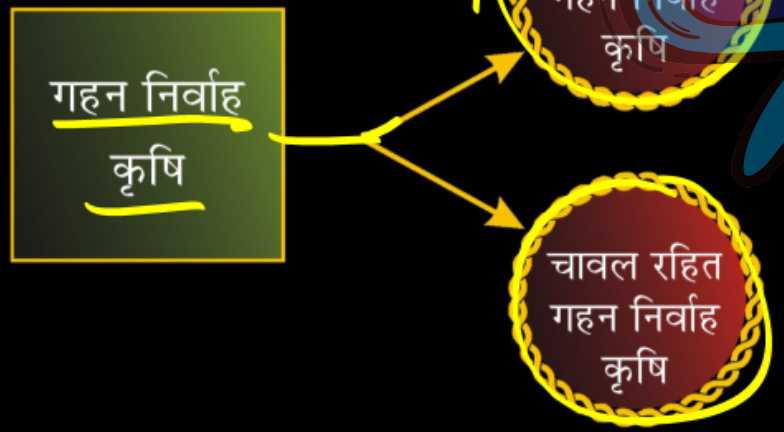


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गहन निर्वाह कृषि

- इस प्रकार की कृषि मानसून एशिया के घने बसे देशों में की जाती है।



गहन निर्वाह कृषि

चावल प्रधान गहन निर्वाह कृषि

चावल रहित गहन निर्वाह कृषि

mg

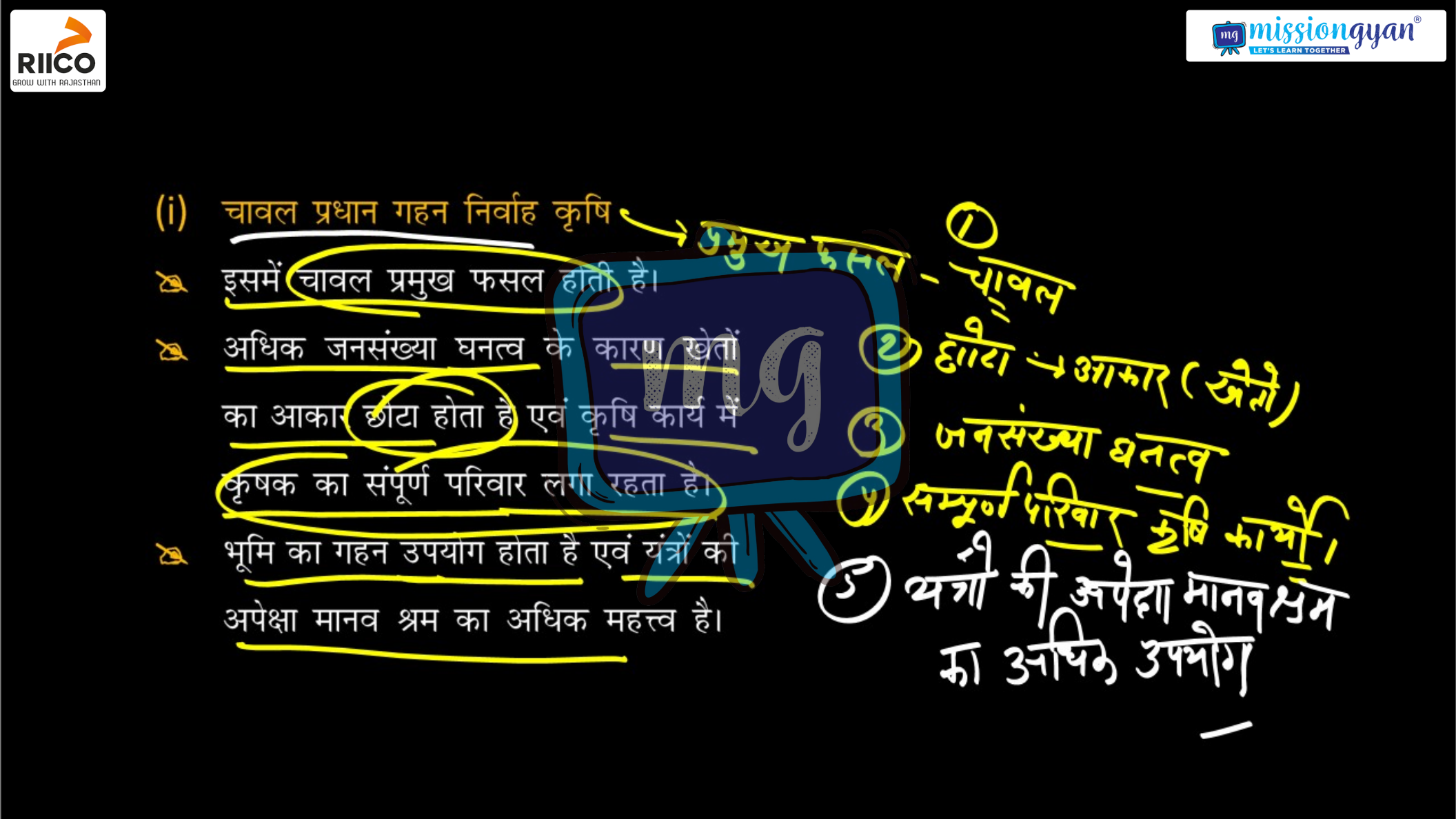
गहन निर्वाह कृषि

चावल प्रधान गहन निर्वाह कृषि।

चावल रहित गहन निर्वाह कृषि।

(i) चावल प्रधान गहन निर्वाह कृषि

- इसमें चावल प्रमुख फसल होती है।
- अधिक जनसंख्या घनत्व के कारण खेतों का आकार छोटा होता है एवं कृषि कार्य में कृषक का संपूर्ण परिवार लगा रहता है।
- भूमि का गहन उपयोग होता है एवं यंत्रों की अपेक्षा मानव श्रम का अधिक महत्त्व है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उर्वरता बनाए रखने के लिए पशुओं के गोबर की खाद एवं हरी खाद का उपयोग किया जाता है।
- इस कृषि में प्रति इकाई उत्पादन अधिक होता है, परंतु प्रति कृषक उत्पादन कम है।

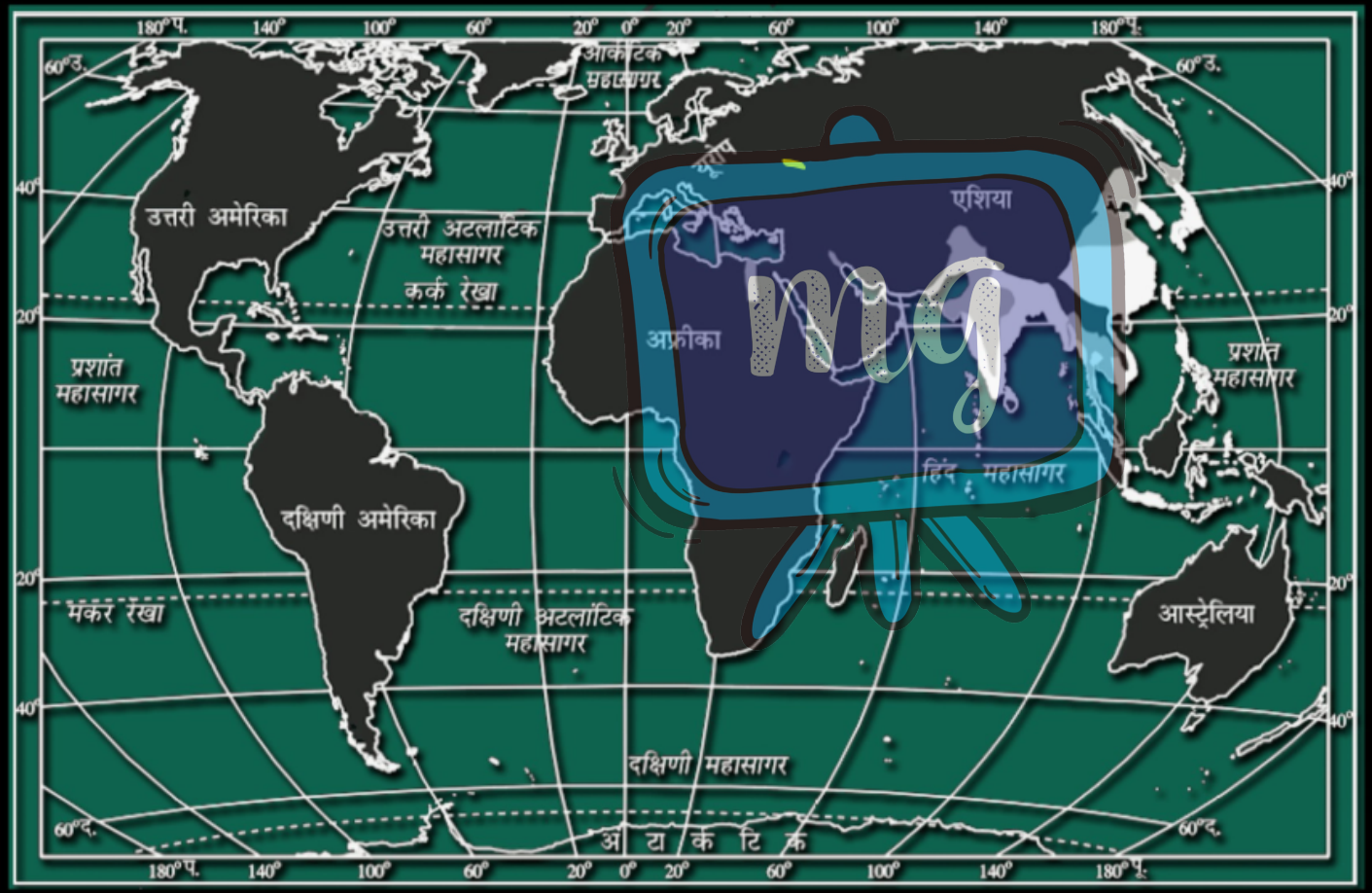
उर्वरता बनाये रखने के पशुओं की गोबर की खाद के रूप उपयोग।

(ii) चावल रहित गहन निर्वाह कृषि:

- मानसून एशिया के अनेक भागों में उच्चावच, जलवायु, मृदा तथा अन्य भौगोलिक कारकों की भिन्नता के कारण धान की फसल उगाना प्राय: संभव नहीं है।
- उत्तरी चीन, मंचूरिया, उत्तरी कोरिया एवं उत्तरी जापान में गेहूँ, सोयाबीन, जौ आदि बोया जाता है।

- भारत में सिंध-गंगा के मैदान के पश्चिमी भाग में गेहूँ एवं दक्षिणी व पश्चिमी शुष्क प्रदेश में ज्वार-बाजरा प्रमुख रूप से उगाया जाता है।
- इस कृषि की अधिकतर विशेषताएँ वो ही है जो चावल प्रधान कृषि की हैं। केवल अंतर यह है कि इसमें सिंचाई की जाती है।

वर्षा की मात्रा कम होती है
||
सिंचाई


180° प.
140°
100°
60°
20°
0°
20°
60°
100°
140°
180° प.
60° उ.
40°
20°
आर्कटिक महासागर
उत्तरी अमेरिका
उत्तरी अटलांटिक महासागर
कर्क रेखा
एशिया
अफ्रीका
प्रशांत महासागर
प्रशांत महासागर
हिंद महासागर
दक्षिणी अमेरिका
मकर रेखा
दक्षिणी अटलांटिक महासागर
आस्ट्रेलिया
दक्षिणी महासागर
60° द.
अंटार्कटिक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रोपण कृषि

यूरोपीय लोगों ने विश्व के अनेक भागों का औपनिवेशीकरण किया तथा कृषि के कुछ अन्य रूपों की शुरुआत की जैसे रोपण कृषि, जो वृहद् स्तरीय लाभोन्मुख उत्पादन प्रणाली है।



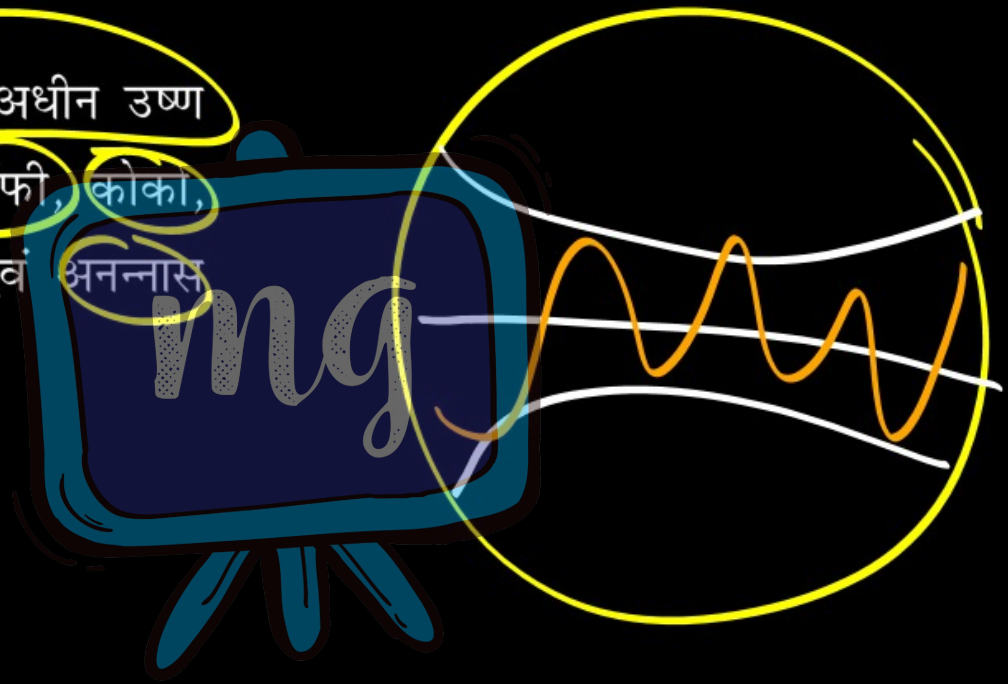
रोपण कृषि → Ex - चाय

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यूरोपीय उपनिवेशों ने अपने अधीन उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में चाय, कॉफी, कोको, रबड़, कपास, गन्ना, केले एवं अनन्नास की पौध लगाई।

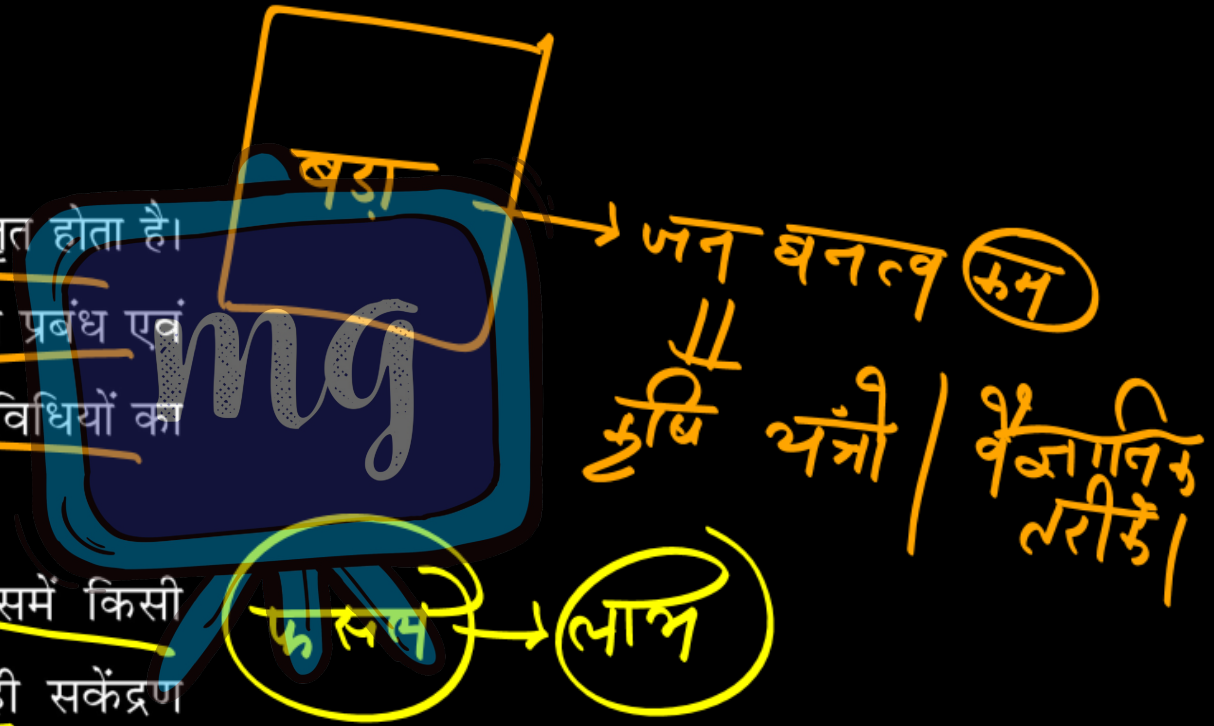


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

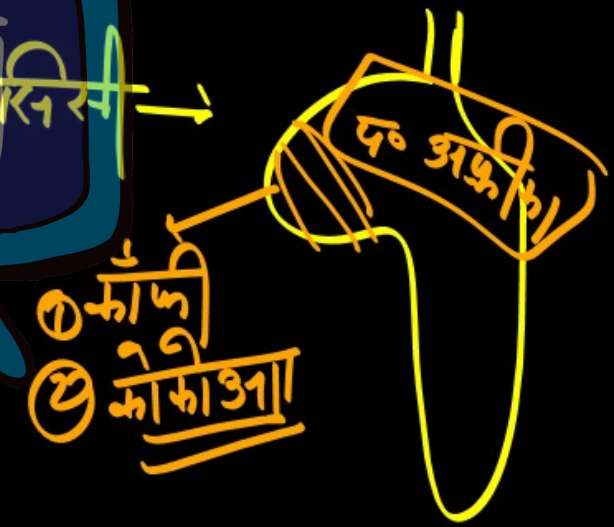
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख विशेषताएँ

- कृषि क्षेत्र का आकार बहुत विस्तृत होता है।
- इसमें अधिक पूँजी निवेश, उच्च प्रबंध एवं तकनीकी आधार एवं वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग किया जाता है।
- यह एक फसली कृषि है जिसमें किसी एक फसल के उत्पादन पर ही सकेंद्रण किया जाता है।



- श्रमिक सस्ते मिल जाते हैं एवं यातायात विकसित होता है जिसके द्वारा बागान एवं बाज़ार सुचारु रूप से जुड़े रहते हैं।
- फ्रांसवासियों ने पश्चिमी अफ्रीका में कॉफी एवं कोकोआ के पौधे लगाये थे।
- ब्रिटेनवासियों ने भारत एवं श्रीलंका में चाय के बाग, मलेशिया में रबड़ के बाग एवं पश्चिमी द्वीप समूह में गन्ना एवं केले के बाग विकसित किए।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में सर्वाधिक चाय - असम उत्पादित।
उत्तम किस्म की चाय → दार्जिलिंग

- स्पेन एवं अमेरिकावासियों ने फिलीपाइंस में नारियल व गन्ने के बागान लगाए।
- इंडोनेशिया में एक समय गन्ने की कृषि में हॉलैंडवासियों (डचों) का एकाधिकार था।
- ब्राजील में अभी भी कुछ कॉफी वे बागान जिन्हें फेज़ेंडा कहा जाता है यूरोपवासियों के नियंत्रण में है।



कॉफी →
↳ भारत में सर्वाधिक कॉफी का उत्पादन कर्नाटक राज्य करता है।
→ विश्व में सर्वाधिक कॉफी का उत्पादन - ब्राजील।
→ ब्राजील में कॉफी के बागानों को फैजेण्डा कहते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि

- मध्य अक्षांशों के आंतरिक अर्ध शुष्क प्रदेशों में इस प्रकार की कृषि की जाती है। इसकी मुख्य फसल गेहूँ है।



- यद्यपि अन्य फसलें जैसे मक्का, जौ, राई एवं जई भी बोई जाती है। इस कृषि में खेतों का आकार बहुत बड़ा होता है एवं खेत जोतने से फसल काटने तक सभी कार्य यंत्रों द्वारा संपन्न किए जाते हैं।

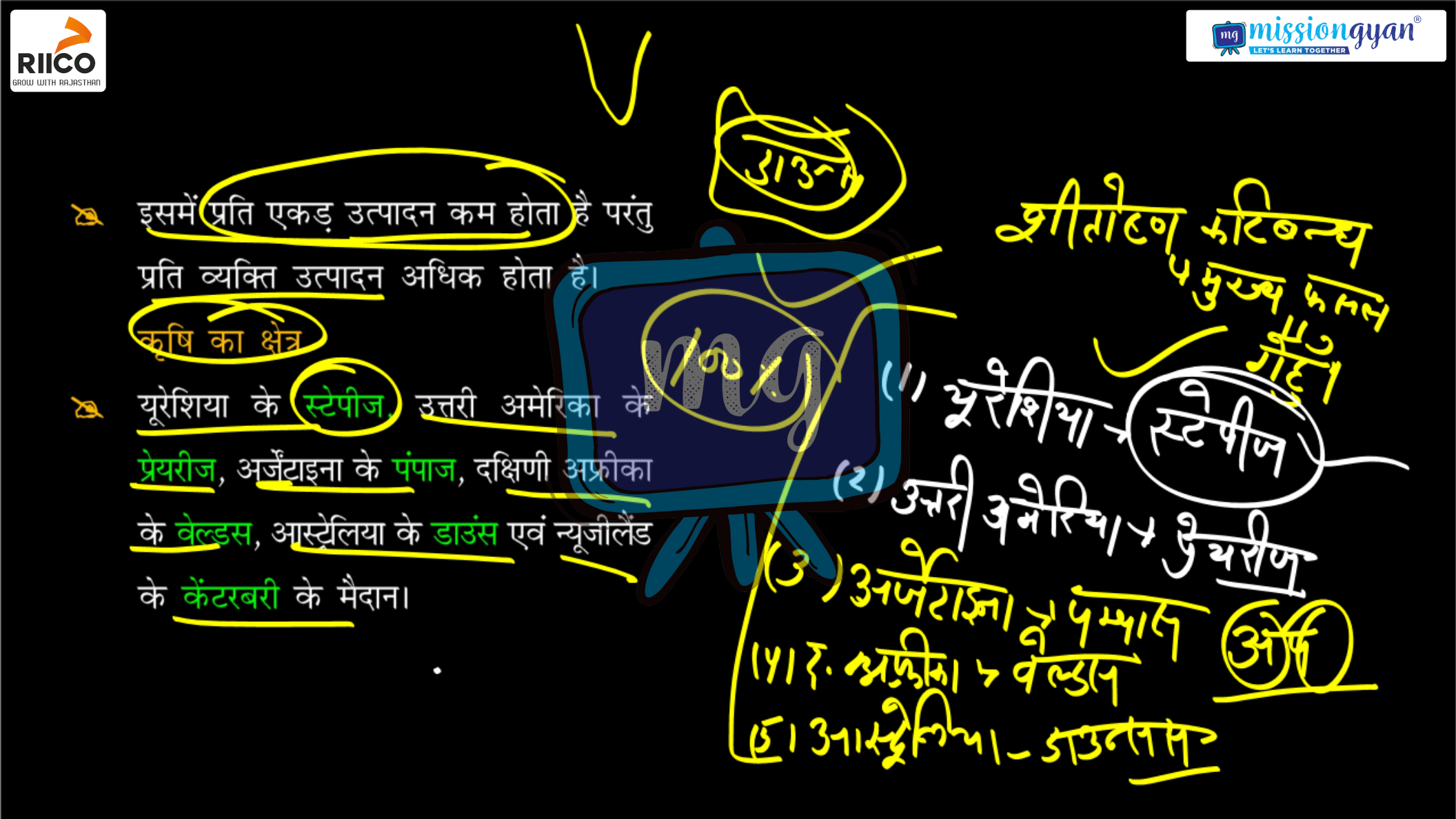
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

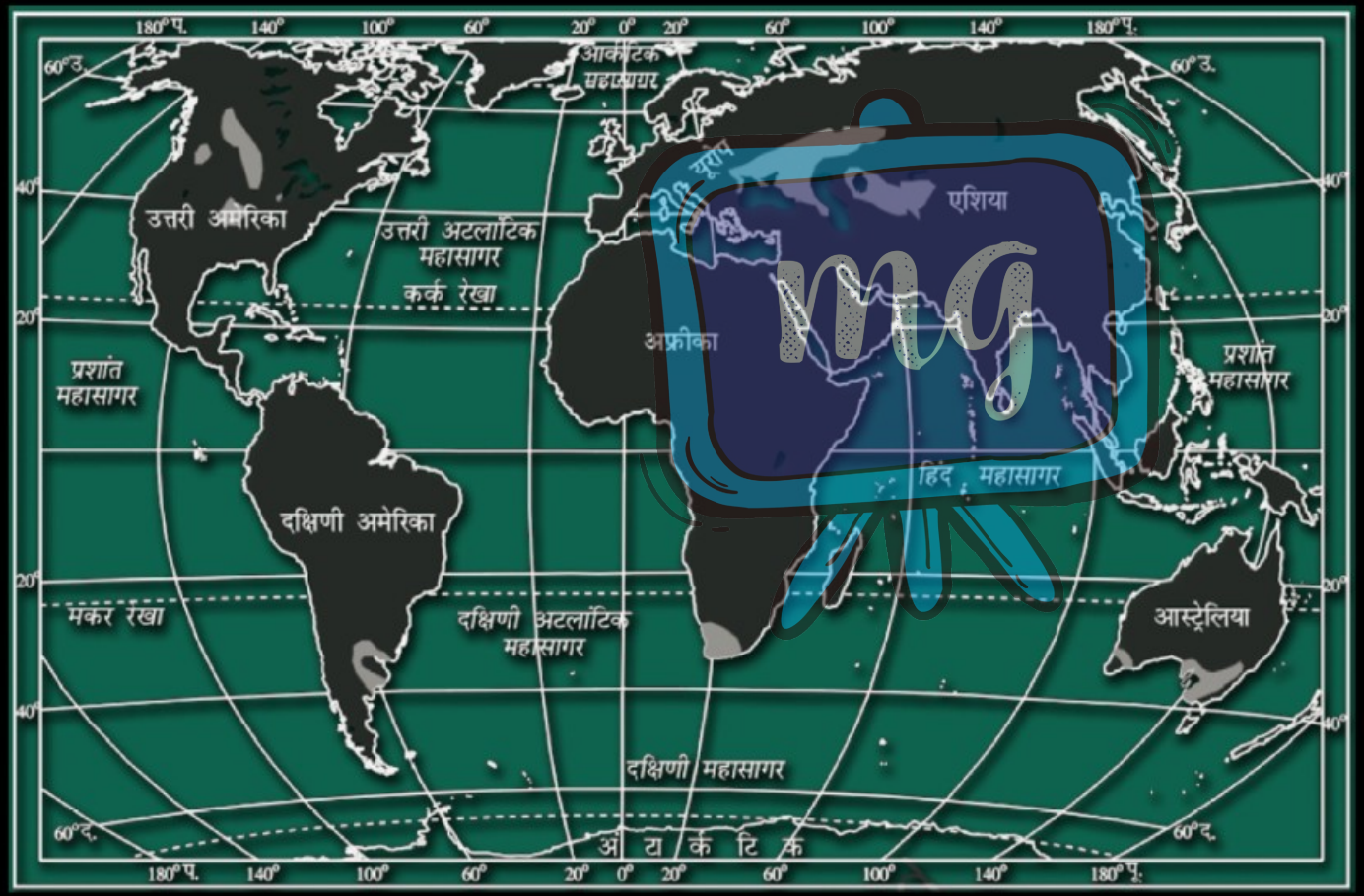
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इसमें प्रति एकड़ उत्पादन कम होता है परंतु प्रति व्यक्ति उत्पादन अधिक होता है।

कृषि का क्षेत्र

- यूरेशिया के स्टेपीज, उत्तरी अमेरिका के प्रेयरीज, अर्जेंटाइना के पंपाज, दक्षिणी अफ्रीका के वेल्डस, आस्ट्रेलिया के डाउंस एवं न्यूजीलैंड के केंटरबरी के मैदान।




180° पू.
140°
100°
60°
20°
0°
20°
60°
100°
140°
180° पू.
60° उ.
60° द.
आर्कटिक महासागर
उत्तरी अमेरिका
उत्तरी अटलांटिक महासागर
कर्क रेखा
यूरोप
एशिया
अफ्रीका
प्रशांत महासागर
प्रशांत महासागर
हिंद महासागर
दक्षिणी अमेरिका
मकर रेखा
दक्षिणी अटलांटिक महासागर
आस्ट्रेलिया
दक्षिणी महासागर
अं टा र्क टि क
40°
20°